Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding prevalence of malnutrition in Melghat in Vidarbha, Maharastra.

श्रीमती नवनित रवि राणा (अमरावती): सभापति महोदय, मैं आपका स्वागत करती हूं और यहां जितने भी संसद सदस्य बैठे हैं, उनको दिल से प्रणाम करती हूं । मैं ऐसे एरिया से बिलाँग करती हूं, जहां सबसे ज्यादा शिड्यूल्ड ट्राइब एरिया है । आज हम कुपोषण पर बात कर रहे थे । अगर पूरे महाराष्ट्र में देखा जाए तो सबसे ज्यादा कुपोषण हमारे विदर्भ के एरिया, जो मेरे संसदीय क्षेत्र में आता है - मेलघाट में पाया जाता है । आज वहां पर देखें तो वहां सूखा है, पीने के लिए पानी नहीं है । पिछले तीन महीनों से लोगों को एक हण्डा भरके पानी लाने के लिए दस किलोमीटर चलकर जाना पड़ता है । न वहां पर न्यूट्रिशन दिया जाता है, न वहां पर हॉस्पिटल्स हैं, जहां लोगों का इलाज हो सके । हम बोलते हैं कि कुपोषण-मुक्त भारत बनाएंगे, तो हम उसमें कहां स्टैंड करते हैं, यह मुझे संबंधित मंत्री से जानकारी चाहिए । पानी और कुपोषण के बारे में उनसे पूरी जानकारी चाहिए ।

माननीय सभापति : एंटो एन्टोनी जी, आप एक वाक्य में कंक्लूड कर दीजिए ।

SHRI ANTO ANTONY : The Parliament has every competence to make law to nullify the judgement of any court. So, I urge upon the Government to come forward with a new law.…(*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Thank you. Now, Shri Basanta Kumar Panda.